

आकाशवाणी श्री विजयपुरम

16.10.2025

समय : 1905

- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज आंध्र प्रदेश के कुरनूल में लगभग तेरह हजार चार सौ तीस करोड़ रुपये की कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन किया।
- भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण ने सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के खाद्य आयुक्तों को एक नया आदेश जारी किया है।
- टैगोर कॉलेज में पाँच दिवसीय वार्षिक सामुदायिक जीवन शिविर के तहत आज "आपदा प्रबंधन और साइबर प्रिवेंशन" विषय पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया।
- खेल एवं युवा मामले विभाग, पुरुश एवं महिला युगल ओपन बैडमिन्टन टूर्नामेन्ट का आयोजन करेगा।

<><><><><><><><>

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज आंध्र प्रदेश के कुरनूल में लगभग तेरह हजार चार सौ तीस करोड़ रुपये की कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन, शिलान्यास और राष्ट्र को समर्पित किया। ये परियोजनाएँ उद्योग, बिजली पारेषण, सड़क, रेलवे, रक्षा विनिर्माण और पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस सहित प्रमुख क्षेत्रों में फैली हुई हैं। इस अवसर पर एक जनसभा को संबोधित करते हुए, प्रधानमंत्री ने कहा कि आंध्र प्रदेश विकास के पथ पर तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि दोहरे इंजन वाली सरकार के बल पर राज्य अभूतपूर्व विकास कर रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि वह विश्वास के साथ कह सकते हैं कि दो हजार सैंतालीस तक, जब भारत अपनी स्वतंत्रता के सौ वर्ष पूरे करेगा, तब तक वह वास्तव में एक विकसित भारत होगा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू और उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण भी उपस्थित थे। श्री मोदी ने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि आंध्र प्रदेश विज्ञान और नवाचार का केन्द्र है।

<><><><><><><><>

भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण ने देशभर के सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के खाद्य आयुक्तों को एक नया आदेश जारी किया है, जिसमें कहा गया है कि अब किसी भी खाद्य उत्पाद के नाम या ब्रांड में 'ओआरएस' शब्द का उपयोग पूरी तरह से प्रतिबंधित रहेगा। यह आदेश फलों पर आधारित, नॉन-कार्बोनेटेड या रेडी-टू-ड्रिंक पेय पदार्थों पर भी लागू होगा। एफ एस एस ए आई ने अपने आदेश में कहा है कि यह निर्णय पहले जारी किए गए दो पुराने आदेशों 14 जुलाई 2022 और 2 फरवरी 2024 को निरस्त करता है। यानी अब वे दोनों आदेश अमान्य माने जाएंगे। पहले के आदेशों में कुछ कंपनियों को अपने उत्पादों के ब्रांड नाम में 'ओ आर एस' शब्द इस्तेमाल करने की छूट दी गई थी, बशर्ते वे यह चेतावनी लिखें कि उनका उत्पाद डब्ल्यू एच ओ द्वारा अनुशंसित ओ आर एस फॉर्मूला नहीं है। लेकिन अब एफ एस एस ए आई ने कहा है कि किसी भी खाद्य उत्पाद के नाम, ब्रांड या लेबल पर 'ओ आर एस' शब्द का उपयोग खाद्य सुरक्षा अधिनियम 2006 और उसके अंतर्गत बनाए गए नियमों का उल्लंघन है। इन प्रावधानों के उल्लंघन पर उत्पाद को "मिसब्रांडेड" और "मिसलीडिंग" माना जाएगा, जिसके लिए खाद्य सुरक्षा अधिनियम की धारा बावन और तिरपन के तहत सजा और जुर्माने का प्रावधान है। एफ एस एस ए आई ने सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के खाद्य आयुक्तों से कहा है कि इस आदेश को सख्ती से लागू किया जाए ताकि उपभोक्ताओं को झूठे दावों और भ्रामक विज्ञापनों से बचाया जा सके।

<><><><><><><><>

